श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 198, पृष्ठ 4 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

संध्या कालीन नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 12 जुलाई 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसांधन संस्थान की एक अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

आसमानी कहर

बिजली गिरने से सास-बहू समेत 12 की मौत, कई लोग झुलसे

अलग-अलग थानों में कुल 12 लोगों की हो गई मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मूसलाधार बारिश के दौरान गिरी बिजली रविवार को जिले में कई जिंदगियों के लिए काल बन गई। चपेट में आने से अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कुल 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें सोरांव की रहने वाली सास-बहू भी शामिल है। मृतकों में से कोई खेतों में काम करते वक्त तो कोई घर लौटते वक्त हादसे का शिकार हुआ। उनके परिवारों में कोहराम मचा है। सोरांव के रहाइसपुर मलाक बेला गांव में धान की रोपाई करते समय गीता देवी (32) पतनि वीरेन्द्र कुमार और उसकी सास मालती देवी(55) पतनि चौबे लाल की मौत हो गई। इसी तरह कोरांव महुली गांव में राम मूरत मिश्रा (58) पुत्र विंद्रा प्रसाद मिश्र, भगेसर गांव में बकरियां चराने गए रामराज (15) पुत्र छैलबिहारी हरिजन, पुष्पेंद्र कुमार (11) पुत्र राजेश कुमार हादसे का शिकार हुए। नवाबगंज में सरांय दादन गांव निवासी रामखेलावन की पुत्री रंजना (17), सुल्तानपुर निवासी वकील सरोज की पुत्री आरती सरोज (18) की जान चली गई। जसरा के रेरा गांव में केवटान बस्ती निवासी विमलेश कुमार बिंद (18) वर्ष पुत्र मौरूध्वज बिंद की मौत हो गई। इसी तरह करछना के रोकडी. गांव में त्रिभुवन नाथ पटेल(55), शंकरगढ़ में ग्राम करिया कला निवासी कामता प्रसाद सिंह (56) पुत्र इंद्रभान सिंह, बारा में केवटान

पुरवा निवासी हरिश्चंद्र (18) पुत्र किस्मत लाल, होलागढ़ में गोड़वा कमालपुर गांव निवासी अमर नाथ पटेल की पुत्री संगीता पटेल (20)की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस के साथ ही राजस्वकर्मियों ने भी मृतकों के घर पहुंचकर पूछताछ की। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर बिजली गिरने से एक दर्जन से ज्यादा लोग झुलसे भी है जिनका इलाज चल रहा है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चे समेत चार बकरियां की मौत

कोरांव क्षेत्र के भगेसर गाँव में बकरी चराते समय घटी घटना

अखंड भारत संदेश

रत्योर/प्रयागराज। स्थानीय थाना क्षेत्र के भगेसर गाँव में बकरी चराने गए थे अचानक बादल की गड़गड़ाहट में तेज बरसात होने लगी। बकरी चराने वाले बच्चे पेड़ के नीचे छाया में छिप गएऔर तेज बारिश होने की वजह से बकरियां भी पेड़ के नीचे आ गई।अचानक तेज बरसात के साथ साथ बादल गड़गड़ाहट होने आकाशीय बिजली गिरी जिससे दो बच्चे समेत चार बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों को मालूम हुआ तो घर मे मातम छा गया। मामला कोरांव थाना क्षेत्र के भगेसर गांव के रामराज 13वर्ष पुत्र छैलबिहारी व पुष्पेन्द्र कुमार 11वर्ष पुत्र राजेश कुमार प्रतिदिन की तरह घर से बकरी चराने गया था।अचानक बादल गड़गड़ाहट के साथ तेज बरसात होने लगी दोनों बच्चों ने भागकर पेड़ के नीचे चिप गए और बकरियां भी जाकर पेड़ के नीचे हो गई।

खेत में काम कर रहे बुजुर्ग की बज्र पात से मौत

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील क्षेत्र के रोकडी गांव में रविवार को दोपहर गरज चमक के साथ बारिश होने लगी रोकडी गांव निवासी त्रिभुवन नाथ पटेल उम्र 55 वर्ष लगभग अपने खेत में मेड़ बना रहा था कि तभी तेज गड़गड़ाहट के साथ थोड़ी दूर पर आकाशी बिजली गिर गई जिसकी चपेट में आने से त्रिभुवन नाथ पटेल झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई घटना के बाद परिजन इसकी सूचना तहसील प्रशासन को दिए मौके पर करछना तहसील के कानूनगो सूर्यकांत शुक्ला लेखपाल के साथ पहुंचकर अपनी कार्यवाही पूरी की त्रिभुवन पटेल के तीन बेटे है राजबली पटेल, सूर्य बली पटेल एवं कृष्ण बली पटेल घटना के बाद पतनि पान कली का रो रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक त्रिभुवन नाथ पटेल घर पर ही खेती किसानी का कार्य करता था।

यूपी में सांप काटने से होने वाली मौत आपदा घोषित, मृतक के परिजनों को 4 लाख की मदद देगी योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में सर्पदंश से होने वाली मौतों को राज्य आपदा घोषित कर दिया है यानी अब सांप के काटने से यदि किसी की मृत्यु होती है तो वह सरकारी मुआवजे का हकदार होगा. मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए है, जिसके मुताबिक अब सर्पदंश के मृतक के परिवार को सरकार की ओर से 4 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।3

इस आदेश के मुताबिक सर्पदंश के मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता के लिए विभागों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगें. घटना के 7 दिनों के भीतर उन्हें तय सरकारी मुआवजे की राशि दे दी जाएगी. यह सुनिश्चित करना जिलाधिकारी का काम होगा. आपको बता दें कि राज्य में अब तक सर्पदंश से होने वाली मौतों में किसी प्रकार का सरकारी मुआवजा देने का प्रावधान नहीं था. बरसात के दिनों में तराई समेत गोरखपुर, देवरिया और आप-पास के जिलों में सर्पदंश से मौत के कई मामले सामने आते हैं।

अब राज्य आपदा घोषित होने के बाद अब सर्पदंश से होने वाली हर एक मौत में पोस्टमार्टम और बिसरा रिपोर्ट अनिवार्य होगा. शासन की ओर से स्पष्ट निर्देश है कि मृतकों के आश्रितों को आर्थिक सहायता के लिए उनके परिजन की मौत सर्पदंश से ही हुई है, इसके प्रमाण के लिए बिसरा रिपोर्ट का इंतजार नहीं करना पड़ेगा. बल्कि मृत्यु के बाद मृतक के पंचनामा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही 7 दिनों के अंदर उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाली आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी।

कश्मीर, लखनऊ और कोलकाताः आतंकवाद पर ट्रिपल अटैक से आईएसआईएस से अलकायदा तक की साजिशें ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लामिक स्टेट और अलकायदा जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों की लंबे समय से भारत पर बुरी निगाह है। रविवार को जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक सुरक्षा एजेंसियों ने तीन खूंखार विदेशी आतंकी संगठनों पर दबिश देकर इनके कई नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। कश्मीर घाटी में जहां इस्लामिक स्टेट की 'जिहादियों भर्ती योजना' को नाकाम किया गया तो लखनऊ में अलकायदा के दो आतंकवादियों को दबोचने के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए हैं। ये आतंकी 15 अगस्त से पहले यूपी को दहलाने की फिराक में थे। वहीं, कोलकाता में जमात-उल-मुजाहिद्दीन बांग्लादेश (व्हँ) के तीन दहशतगर्द दबोच लिए गए।

उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने रविवार को राजधानी लखनऊ में अलकायदा समर्थित 'अंसार गजवातुल हिंद' से जुड़े दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया। ये 15 अगस्त पर लखनऊ सहित कई शहरों में बम विस्फोट करने की योजना बना रहे थे। एडीजी लॉ प्रशांत कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एटीएस ने दुबग्गा निवासी मिनहाज अहमद और मडि़यांव के रहने वाले मसीरुद्दीन को गिरफ्तार किया है। मिनहाज के घर से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और एक पिस्तौल बरामद हुई है। उसके घर से बरामद आईईडी को निष्क्रिय कराया जा रहा है।

मसीरुद्दीन के पास से भी भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। आतंकियों के कब्जे से प्रेशर कुकर बम भी बरामद हुआ है। उन्होंने दावा किया कि ये लोग अलकायदा के उत्तर प्रदेश मॉड्यूल के मुखिया उमर हलमंडी के निर्देश पर अपने साथियों की मदद से आगामी 15 अगस्त को उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों, खासकर लखनऊ के महत्वपूर्ण स्थानों, स्मारकों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विस्फोट करने और मानव बम के जरिए आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे।

घंटेभर में अंतरिक्ष घुमा लाया वर्जिन गैलेक्टिक का स्पेसशिप

भारत की बेटी शिरीषा ने भी रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्जिन गैलेक्टिक स्पेसशिप ने रविवार शाम अंतरिक्ष की दुनिया में कदम रख दिया। इसके साथ ही वर्जिन गैलेक्टिक के मालिक निजी स्पेसशिप से अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले बिजनेसमैन बन गए। उनके साथ इस स्पेसशिप में भारतीय मूल की शिरीषा बंदला के अलावा चार अन्य लोग भी है। अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद रिचर्ड ब्रैनसन ने अपना अनुभव पूरी दुनिया के साथ साझा किया और इसे पूरी उम्र न भूलने वाला अनुभव बताया। साथ ही उन्होंने वर्जिन गैलेक्टिक टीम की तारीफ करते हुए कहा कि यह टीम के 17 साल की मेहनत का परिणाम है। स्पेसशिप के उड़ान भरने से लेकर वापस लौटने में कुल करीब एक घंटे का समय लगा। वहीं ब्रेनसन और उनके साथियों ने करीब पांच मिनट तक रुककर भारहीनता का अनुभव किया। इसके बाद स्पेसशिप वापस अपने बेस पर लौट आया।

ब्रिटेन के वर्जिन समूह के संस्थापक ब्रैनसन एक सप्ताह में 71 साल के हो जाएंगे। इस गर्मी के अंत तक उनके उड़ान पर जाने की संभावना नहीं थी लेकिन 'ब्लू ऑरिजिन के जेफ बेजोस द्वारा 20 जुलाई को वेस्ट टेक्सास से अपने रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में जाने की घोषणा के बाद ब्रैनसन ने पहले ही अंतरिक्ष यात्रा पर निकलने का फैसला किया। अंतरिक्ष यान ने न्यू मैक्सिको के दक्षिणी रेगिस्तान से अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी। करीब पांच सौ लोग दर्शकों में शामिल थे जिनमें उनकी पतनि, बेटा बेटी और पोता पोती भी थे। यान में ब्रैनसन के साथ कंपनी के पांच कर्मचारी भी सवार थे।

अंतरिक्ष यान करीब 8 1/2 मील (13 किमी) की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अपने मूल विमान से अलग हो गया और करीब 88 किमी की ऊंचाई पर जाकर वह अंतरिक्ष के छोर पर पहुंच गया।

मध्य प्रदेशः आरएसएस की संस्था को जमीन दिए जाने के खिलाफ सड़क पर उतरे दिग्विजय सिंह, पहले पानी की बौछार फिर केस दर्ज

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से भोपाल स्थित गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के पार्क की जमीन को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी एक संस्था को दिए जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने रविवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया, जबकि पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछरें की।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस वक्त हुई जब राज्यसभा सदस्य दिग्विजय और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता यहां गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड पर चढ़ने का प्रयास कर रहे थे। इस मामले में पुलिस ने दिग्विजय सहित आठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ नामजद और 200 पार्टी कार्यकर्ताओं पर बिना अनुमति के प्रदर्शन करने एवं कोविड-19 प्रोटोकॉल का उलंघन करने का मामला दर्ज किया है।दिग्विजय ने संवाददाताओं को बताया, "पुलिस ने हम पर पानी की बौछारें की। पानी मेरे कान में भी गया। लेकिन जब तक औद्योगिक क्षेत्र के एसोसिएशन का साथ रहेगा, हम इस जमीन के आवंटन के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहेंगे।

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चाटा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम - 8318174147 अनमोल- 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK PAN-AAFTM3349D Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर
निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

TVS
TVS XL100 TVS Jupiter TVS Sport Apache RTR 160 4V Apache RTR 200 4V TVS wego Scooty Pep+
प्रो. शैलेन्द्र कुमार
चन्दा टीवीएस
नगद एवं फाइनेन्स की सुविधा उपलब्ध है।
जारी बाजार, प्रयागराज मो: 9721116002

Reg. No. U01403UP2021PTC147142 स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा अकरकरा
प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीह, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

साईं कृपा मेंस पार्लर
न्यू हेअर कट, हेअर स्ट्रेटिंग, हेअर पॅच/ विक, स्किन ट्रीटमेंट, हेअर स्पा, फायर कट मॉडेल मेकअप, नवरदेव मेकअपउ (पॅकेज)
पार्लर में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्कता है।
प्रो0 उमेश शर्मा
Mob.: 7860823593
पता त्रिवेणीपुरम नियर पानी की टंकी झूसी प्रयागराज

लापता छात्रा के साथ उसका दोस्त भी है गायब

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। जनपद के एक नामी स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा आठ की छात्रा का पांचवे दिन भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। छात्रा के गायब होने के संबंध में, दिल्ली निवासी जिस दोस्त पर शक जाहिर किया गया था, वह भी गायब चल रहा है। फिलहाल मुकामी पुलिस ने छात्रा की तलाश में प्रयागराज और दिल्ली तक छानबीन की, लेकिन छात्रा के संबंध में अभी तक कोई पुख्ता जानकारी हासिल नहीं हो पाई है।

शंकरगढ़ से छह जुलाई को लापता हुई थी छात्रा

इससे छात्रा के परिजन खासे परेशान हैं।

पिछले पांच दिन से गायब चल रही छात्रा यमुनापार के नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड संख्या तीन की रहने वाली है। छात्रा के परिजनों के मुताबिक बीते छह जुलाई को छात्रा घर से दस रुपये लेकर कापी खरीदने निकली थी, उसके बाद से घर लौटकर नहीं आई। किशोरवय बेटी के घर नहीं लौटने से परेशान परिजनों ने खोजबीन शुरू की, पर कोई पता नहीं चला। आसपास के साथ ही दोस्तों व रिश्तेदारियों में खोजबीन के बाद अगले दिन परिजनों ने शंकरगढ़ पुलिस को मामले की जानकारी दी। इस पर पुलिस ने सुसंगत धारा में मामला पंजीकृत कर जांच शुरू की।

पुलिस की जांच में पता चला कि उक्त लापता छात्रा का एक किशोरवय दोस्त (फेसबुक फ्रेंड) है, जो दिल्ली का रहने वाला है। छानबीन में पता चला कि गायब होने से पहले छात्रा की उससे बात भी हुई थी। इस पर शंकरगढ़ पुलिस दिल्ली पहुंच गई। जहां दिल्ली पुलिस की मदद से शंकरगढ़ पुलिस और छात्रा के परिजन उक्त फेसबुक फ्रेंड के घर पहुंचे। जहां पता चला कि छात्रा के गायब होने के एक दिन बाद से उक्त फ्रेंड भी लापता है। उसके परिजनों ने दिल्ली के भजनपुरा थाने में गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज करवाई है। फिलहाल शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने जांच जारी रखी है। छानबीन के दौरान यह भी पता चला है कि लापता छात्रा की दो दोस्त लड़कियां है, जो कलकत्ता की रहने वाली है। लापता छात्रा की उन दोनों से हमेशा बात होती रहती थी।

फिलहाल इस प्रकरण में अभी तक छात्रा का कोई सुराग नहीं मिलने से परिजन खासे परेशान है। परिजनों की मानें तो छात्रा काफी समझदार है और वह शहर में एक रिश्तेदार के घर रहकर पढ़ाई करती थी। कोरोना काल में लॉकडाउन होने के बाद से वह घर आकर रहने लगी थी।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, फोटो के आधार पर पहचान कराने में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। प्रयागराज-मुंबई रेलखंड पर किसी ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। रविवार को उसका शव शंकरगढ़-रानीगंज रेलवे फाटक के समीप पाया गया।

औंधे मुंह मिले शव की जानकारी स्थानीय लोगों के जरिए जीआरपी तक पहुंची। मौके पर आई पुलिस ने मौका मुआयना कर युवक के शव को अज्ञात में दर्जकर चीरघर भेज दिया।

जीआरपी शंकरगढ़ ने बताया कि शव की पहचान कराने की कोशिश की गई, पर अभी तक कोई जानकारी नहीं हो पाई है। घटनास्थल का मुआयना के दौरान मृतक की जेब से एक पर्स मिला है, जिसमें उसी की कुछ फोटो है, जिस पर हरियाणा के एक फोटोग्राफर का नाम-पता लिखा हुआ है।

इस आधार पर उक्त फोटोग्राफर से संपर्क किया जा रहा है। शरीर पर नीले रंग की जींस, चेकदार शर्ट मिली है। संभवतः वह चलती ट्रेन से गिरकर हादसे का शिकार हो गया। फिलहाल उसकी पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

अनुप्रिया पटेल के केंद्रीय मंत्री बनने पर अपना दल नेता ने बांटी मिठाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को केंद्रीय राज्यमंत्री वाणिज्य एवं उद्योग विभाग का बनाए जाने पर अपना दल एस नेता वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर इमाम विधान सभा प्रतापपुर 257 ने ज़ोन उत्तरी वरुणा कार्यालय पर मिष्ठान खिलाकर लोगों का मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर ज़ोन अध्यक्ष उत्तरी गणेश शंकर पटेल, सेक्टर अध्यक्ष अरविंद पटेल, नागेन्द्र पटेल, संजय गौतम, राकेश पटेल, समर बहादुर पटेल, सेराज, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य किसान मंच बीडी गौड़, श्याम राज पटेल, संत लाल यादव, लवकुश पटेल , डॉक्टर इमाम वरिष्ठ समाजसेवी लोगो ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर आगामी 2022 विधान सभा चुनाव की जीताने का संकल्प लिया।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार घायल

नारीबारी। थाना बारा अंतर्गत मैदा मोड़ के पास चाकघाट की ओर से आ रही बाइक ने सड़क पार कर रहे साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी जिससे साइकिल सवार बुरी तरह से घायल हो गया स्थानीय लोगों की मदद से घायल बाइक सवार को इलाज हेतु एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगादीन पुत्र रामसखा निवासी सुहागी मध्यप्रदेश अपनी बाइक से प्रयागराज की ओर जा रहा था जैसे ही वह थाना बारा के मैदा मोड़ के पास पहुंचता है वैसे ही पूरब पटरी से पश्चिम पटरी में जा रहे है हेमराज पुत्र रामलाल निवासी गढ़ कटरा उम्र 52 वर्ष से जा भिड़ा जिससे साइकिल सवार बुरी तरह से घायल हो गया स्थानीय लोगों की मदद से साइकिल सवार को इलाज हेतु निजी अस्पताल पहुंचाया गया फिलहाल समाचार लिखे जाने तक किसी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई थी।

युवाओं व बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ किया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेश

करछना/प्रयागराज। धन-धान्य से भरी धरा हो, ऐसी सृष्टि मिलकर बनाएं, आओ हम सब मिलकर ढेरों पेड़ लगाएं..कुछ ऐसी ही कविताओं के जरिए बच्चों ने वृक्षारोपण के जरिए प्रकृति की रक्षा का आह्वान किया।

करछना ब्लॉक के अन्तर्गत ग्राम सभा रामपुर हरदुआ गांव में युवाओं की फौज ने वृक्षारोपण कर वृक्ष की सुरक्षा के लिये प्रण लिया और आने वाले पीढ़ी को वृक्षारोपण का महत्व भी बताया। युवाओ की टोली का कहना है की आज पेडों को लोगों द्वारा काटा जा रहा है जिससे हमें शुद्ध ऑक्सीजन नहीं मिला रहा है और हमारा पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है जिससे कई बीमारी का सामना करना पड़ रहा है हमारे सेहत पर भी प्रभाव पड़ रहा हैं।

इस कारण पत्रकार व समाजसेवी सूर्य मणि द्विवेदी के नेतृत्व मे ग्राम के युवाओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिसमें विशेष रूप से सचिन प्रजापति, रणजीत प्रजापति, बलदेव आदिवासी, अनु द्विवेदी, मनीष प्रजापति, सोनू प्रजापति, सुचित, मोनू, शिवा , के साथ बच्चों ने अपनी उपस्थित दी और वृक्षारोपण में सहयोग प्रदान किया

निजी विद्यालय प्रबंधको की बैठक में स्कूल खोलने पर हुई चर्चा

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज निजी विद्यालय प्रबंधक संघ प्रयागराजठ की एक आवश्यक बैठक मेजा रोड स्थित यच आई ए इंटर कॉलेज में संघ के प्रमुख पीएस मिश्रा की अध्यक्षता में संपनन हुई।

जिसमें कोरोना काल में विगत डेढ़ साल से बंद हुए विद्यालय के कारण भुखमरी के कगार पर पहुंचे शिक्षक व प्रबंधको की विभिनन समस्याओं पर चर्चा हुई।अध्यक्षता कर रहे श्री मिश्रा ने सुझाव दिया कि कोरोना महामारी के चलते विद्यालय के प्रबंधक प्रदेश सरकार का सहयोग करें। इस खतरनाक बीमारी में खतरा उठाने से बहुत भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सभी प्रबंधकों से संयम बरतने के लिए बात कही। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि निजी विद्यालय प्रबंधकों की ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर गठन करके एक मजबूत संघ बनाकर अपनी समस्या को शासन प्रशासन से अवगत करा सकते हैं ।उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल खोलने के संबंध में शासन प्रशासन से मांग की जा सकती है लेकिन दबाव बनाना उचित नहीं होगा।

इस पर सभी उपस्थित प्रबंधकों ने उनके सुझाव पर सहमति व्यक्त की।

बैठक में विभिनन विद्यालयों के प्रबंधकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर ब्लॉक स्तरीय संघ प्रभारी भी नियुक्त किया गया, जिसमें मेजा से योगेंद्र यादव, कोरांव से धनंजय सिंह, मांडा से अमित सिंह, बारा से नीरज पांडे और करछना से रुद्र प्रताप सिंह को ब्लॉक प्रभारी बनाया गया है।

सभी प्रभारियों को ब्लॉक स्तरीय संघ के गठन की जिम्मेदारी दी गई।इसी प्रकार पीएस मिश्रा को जिला प्रभारी, मदन लाल बिंद को संयोजक और हरिश्चन्द्र त्रिपाठी को संघ का मीडिया प्रभारी बनाया गया।उक्त तीनों प्रबंधक संघ को जिला स्तर पर गठन करने की जिम्मेदारी दी गई।इस मौके पर प्रमुख रुप से हरिश्चंद्र त्रिपाठी, अशोक कुमार, नीरज पांडे, सारस द्विवेदी, रतनेश प्रसाद, योगेश गुप्ता, रुद्र प्रताप यादव, मदनलाल बिंद, गिरिजेश त्रिवेदी, धनंजय सिंह, योगेंद्र यादव, अमित सिंह, प्रेम चंद्र यादव और अख्तर हुसैन मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से किसान समेत दो की मौत

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। एक पखवारे बाद रविवार को अचानक हुए मौसम में बदलाव ने आधा दर्जन से अधिक लोगों की जान ले ली। रविवार की सुबह बादलों के साथ हुई।

पूर्वाहन तक कई स्थानों पर छिटपुट बरसात भी हुई। इसके बाद दोपहर मौसम में एकबारगी बदलाव आया और काले बादलों ने डेरा डाल दिया। इस दौरान कई स्थानों पर आकाशीय बिजली भी गिरी। वज्रपात की सूचना पर पहुंची मुकामी पुलिस ने मौका मुआयना किया। इस दौरान तेज हवाओं के चलने से कई स्थानों पर पेड़ों के भी गिरने की खबर है।

आकाशीय बिजली गिरने की यमुनापार के शंकरगढ़ और दूसरी घटना लोहगरा के केवटान बस्ती की

है। यहां वज्रपात की चपेट में आने से छोटू पुत्र किस्मत लाल बिंद की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई।

इसीतरह शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के करियाकला निवासी कामता सिंह (60) पुत्र स्व. इंद्रभान सिंह दोपहर अपने खेत में गए थे। इसी दौरान बरसात शुरू हो गई और बिजली कड़कने लगी। कामता सिंह जब तक वहां से हटकर सुरक्षित स्थान तक पहुंच पाते, आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। कामता सिंह पेशे से किसान थे।यह हादसा घर से तकरीबन 150 मीटर के फासले पर हुआ। सूचना पर शंकरगढ़ थाने के एसआई अरविंद कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और जानकारी ली।

श्री रोग हरण हनुमानजी का 10 दिवसीय पाटोत्सव कार्यक्रम प्रारंभ

प्रयागराज। श्री देवराहा बाबा मंच न्यास गंगा तट प्रतिष्ठानपुरी द्वारा संचालित श्री देवराहा बाबा गौशाला प्रांगण अंतर्गत स्थित श्री रोग हरण हनुमानजी का जन्मोत्सव पाटोत्सव समारोह दिनाँक 10 जुलाई , शनिवार को प्रातः 7 बजे से श्री सीताराम नाम अखण्ड संकीर्तन के साथ प्रारंभ होकर आगामी दिनाँक 19 जुलाई , सोमवार को प्रातः सम्पनन होगा। श्री देवराहा बाबा मंच न्यास के अध्यक्ष तथा 10 दिवसीय पाटोत्सव महोत्सव के संयोजक स्वामी राम दास जी महाराज ने उक्त जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि आगामी 19 जुलाई को 10 दिनों तक चलने वाले अखण्ड संकीर्तन की पूर्णता के पश्चात श्री रोग हरण हनुमानजी का पाटोत्सव महोत्सव दिव्य झांकी सृंगार , सन्त सम्मेलन , भजन संध्या तथा बृहद भंडारे के साथ धूमधाम से आयोजित होगा।

अकरकरा औषधीय पौधे की खेती किसानों के लिए वरदान ः आरपी पाण्डेय

अखंड भारत संदेश

करछना। अकरकरा औषधीय गुणों की खान भारत विश्व में ना केवल सबसे बड़ा अनाज उत्पादक है।

अपितु सबसे बड़ा अनाज उत्पादक निर्यातक भी हैए ये सब सम्भव होता है हमारे देश की उपजाऊ मिट्टीए निर्धारित जलवायु व हमारे देश के जुझारू किसान जो जीतोड़ मेहनत कर धरती का सीना चीरकर अपने पसीने को मिट्टी में मिलाकर रिकार्ड अनाज उत्पादन करता हैए मगर किसानों का एक बड़ा हिस्सा लघु व सीमांत किसान आज भी अपनी मेहनत का उचित फल नहीं पाता हैए आज भी वह पूर्व की भांतिए दबाए कुचलाए निरीह सा दिखने वाला गरीबी और कर्ज के बोझ को ढो रहा है। वर्तमान सरकार की कुछ अच्छी

नीतियां व प्रयासों से किसानों को कुछ उम्मीद की किरण दिखाई पड़ रही है मगर अज्ञानता के अभाव में वह इन नीतियों व लाभों से अब तक वंचित है। जटिल नियमोंए संसाधनों के अभाव व सरकारी अव्यवस्थाओं के कारण किसानों का एक बड़ा समूह आज भी सरकारी खेल का शिकार

बना हुआ है और अपने अनाज को औने पौने दामों पर बेचने को मजबूर है। इन समस्याओं के निदान के लिए सरकार ने देश में दस हजार एफ पी ओ का निर्माण करने की योजना व नियम बना दिएए मगर क्या हमारे देश के जो असली गरीब किसान हैं क्या उनके पास एफ पी ओ ; कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गतद्ध के जटिल नियमों को समझने का ज्ञान हैए क्या एफ पी ओ रजिस्ट्रेशन कराने हेतु बैंक में जमा करने के लिए इतनी बड़ी धनराशि हैए क्या किसानों के पास वो सब संसाधन है जिससे एफ पी ओ का संचालन कर सकेए बिना धन केए बिना जन के और बिना ज्ञान के ये वास्तव में सम्भव नहीं है। तीन वर्षों तक औषधीय पौधों की खेती के सम्बन्ध में गहन अध्ययन और सी मैप लखनऊ के वैज्ञानिकों के परामर्श और आश्वासन के उपरान्त मैंने ये संकल्प लिया कि मैं अपने किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिए प्रेरित करके उन्हें मान सम्मान का खुशहाल जीवन जीने का अवसर देने का प्रयास करूंगाए तदोपरांत इसी निरंतरता में मैंने ष्शेष दुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेडष् का रजिस्ट्रेशन कराया और प्रथम वर्ष में स्वयं अकरकरा औषधि की खेती शुरू किया और अब किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिए जागरूक कर रहा हूं। अकरकरा का वानस्पतिक नाम ष्एनासाइकलस पैरिथ्रमष् है। यह एस्टरेशिया कुल का पौधा है।

इसकी उत्पत्ति मूल रूप से अरब देश में हुई है। आयुर्वेद में अकरकरा का उपयोग विगत 400 वर्षों से किया जा रहा हैए इसके औषधीय व आयुर्वेदिक गुण अनगिनत हैं। अकरकरा की खेती मुख्यतया उत्तर प्रदेशए मध्य प्रदेशए गुजरातए हरियाणा और महाराष्ट्र में सफलतापूर्वक की जा रही है। बीज .रू अकरकरा की बुआई के लिए एक बीघा में तीन किलो बीजों की आवश्यकता होती है। बीज का रेट .रू 500.1500 रूपए प्रति किलो उपलब्धता के आधार पर कम ज्यादा होता रहता है। खेत की तैयारी .रू अकरकरा के लिए उचित जल निकासी वाली उपजाऊए भुरभुरीए नरम मिट्टी जिसका पी एच मान 7 के आस पास होना चाहिए। एक बीघा में तीन ट्राली गोबर की पकी हुई खाद डालकरए गहरी जोताई करकेए खरपतवार रहितए मिट्टी को भुरभुरा करलें। बुआई .रू अकरकरा की बुआई अक्टूबर से नवंबर माह में छिड़काव विधि से होती है। बुआई से पूर्व बीजों को गोमूत्र से उपचारित करलेंए व 12 घंटे तक बीज को पानी में भिगो कर रखें। पांच पांच बिस्वे की क्यारी बनाकर पानी भर देंए जब पानी आधा सूख जाए तो अकरकरा के बीजों को छिड़काव विधि से एक बराबर मात्रा में बुआई कर दें। अकरकरा के पौधे सर्दियों में पड़ने वाले पाले ;बर्फद्ध को भी सहन कर लेते हैए इन पर तेज गर्मी और सर्दी का कोई विपरीत असर नहीं होता हैए अकरकरा को कोई भी आवारा जानवर नहीं खातेए अकरकरा को सिर्फ जलजमाव से ही नुकसान होता है। यदि खर पतवार ज्यादा हों तो उन्हें मजदूरों की सहायता से निकलवाएंए इसमें किसी भी प्रकार की रासायनिक खाद व कीटनाशक का प्रयोग नहीं होताए क्योंकि इससे जीवन रछक दवाएं बनाई जाती है। जड़ों कि खोदाई व उपज .रू अकरकरा की जड़ पांच महीने में खोदाई लायक हो जाती है। एक बीघा में तीन कुंतल से चार कुंतल तक जड़ व लगभग बीस किलो तक बीज प्राप्त होता है। जड़ों का मूल्य लगभग बीस हजार रूपए प्रति कुंतल होता है।

अकरकरा की खेती किसानों के लिए कम लागतए कम समयए कम मेहनत व परम्परागत खेती से चार गुना ज्यादा मुनाफे की खेती है।अकरकरा की फसल तैयार होने पर किसानों को फसल बैचने के लिए दर दर भटकना नहीं पड़ेगाए उत्पादित फसल ष्शेष दुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेडष् गांव कबराए पोस्ट डीहाए तहसील करछना प्रयागराज द्वारा उचित मूल्य पर खरीद ली जाएगी। अकरकरा के औषधीय गुण व रोगों का उपचार .रू अकरकरा के पावडर व चूर्ण से आयुर्वेदिकए होम्योपैथिक व यूनानी दवाएं बनाई जाती हैए इस अनमोल जड़ी बूटी द्वारा मानव शरीर में होने वाले 75ः रोगों का उपचार किया जाता है जैसे . लकवाए नपुंसकताए मिर्गीए गूंगापनए वात पित्त कफ नाशकए रोग प्रतिरोधक छमता को बढ़ाता हैए हिचकीए ज्वर नाशकए मासिक धर्मए साइटिकाए आर्थराइटिसए पायरियाए दांत दर्दए मसूड़ों का रोगए शरीर की सूजन कम करता हैए शक्ति वर्धकए सेक्स पॉवरए वीर्य वर्धकए स्वांस रोगए सिर दर्दए सर्दी जुखामए चर्म रोगए अल्सरए रक्त सोधकए हृदय रोगए सफेद दागए जलोदरए लीवरए मानसिक तनावए घबराहटए नाड़ी छीड़ाए नेत्र रोगए कामोत्तेजकए जीवाणु रोधीए दांत कृमिए गले की खराशए पाचनए ब्रेन टोनिकए दमा व आलस्य को दूर कर शरीर में नव ऊर्जा का संचार करता है।

आकाशीय बिजली गिरने से खेत में धान लगा रही दो लड़कियो की मौत भाई बहन झुलसे मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

नवाबगंज/प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के दादनपुर गांव के रहने वाले रामखेलावन यादव की दो पुत्रिया खेत मे धान लगा रही थी तभी दोपहर एक बजे तेज़ बरसात होने लगी बादल तेजी से गरजने लगा उसी समय आकाशीय बिजली गिरने से एक पुत्री रंजना 18 वर्ष पुत्री रामखेलावन यादव कीमृत्यु हो गयी तथा दूसरी बन्दना यादव 16वर्ष पुत्री राम खेलावन यादव राहुल यादव 20 वर्ष पुत्र रामखेलावन यादवझुलस कर गंभीर रूप से घायल हो गई जिसे इलाजहेतू। कौडिहार अस्पताल में भर्ती करवाया गया है इलाज चल रहा है इसी तरह सुल्तानपुर गांव में धान की रोपाई कर रही आरती सरोज उम17 वर्ष पुत्री वकील सरोज के ऊपर आकाशीय बिजली गिरने से बच्ची की मौत हो गई चार भाइयों अंकित नितिन साहिल घुंघरू तथा मां उमिला का रो रो कर बुरा हाल था गांव के लोग भारी संख्या में एकत्र हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया।

जंघई उद्योग व्यापार मंडल द्वारा रक्तदान का आयोजन

अखंड भारत संदेश

जंघई। रविवार को चौरा माता मंदिर के समीप जंघई उद्योग व्यापार मंडल द्वारा रक्तदान का आयोजन किया गया जिसमें तेज बहादुर सप्रू ब्लड बैंक प्रयागराज के डाक्टरों द्वारा कैंप का आयोजन हुआ जिसमें बाजार के व्यापरियों एवं उनके परिजनों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर डा. केसी गुप्ता एमओ, डा. पंकज कुमार मंडलीय जनसंपर्क अधिकारी, डा. हेमंत शुक्ला फार्मासिस्ट, अजय मिश्रा काउंसलर, आलोक शुक्ला, विभा

मिश्रा, सुधीर कुमार, वीरेंद्र कुमार, धीरज त्रिपाठी, ज्ञानेंद्र सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल, महामंत्री महेंद्र जायसवाल, महासचिव विवेक जायसवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, राकेश कुमार जायसवाल बबलू, आकाश जायसवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

वज्रपात ने मचाया कोहराम

आकाशीय बिजली से दो बच्चे एक किसान की मौत

मृतक के परिजन को मिलेंगे पांच लाख : राजमणि कोल

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। कोरांव के ग्राम महुली में साठ वर्षीय कृषक पारस नाथ मिश्र पुत्र बिंद्रा व ग्राम भगेसर में पुसप्राज पुत्र छैल बिहारी 18साल, पुस्पेदर पुत्र रमेश कुमार 14साल अनुसूचित जाति की 11 जुलाई को दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। मौके पर ग्राम महुली में विधायक कोरांव राजमणि कोल,प्रतिनिधि रामाश्रय शुक्ला,आदि पहुंच कर मृतक श्री मिश्रा के परिजनों को सांत्वना दी और सरकार से पांच लाख का मुआवजा दिलाने की बात कही। इसी प्रकार भगेशर के दोनों मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रगट कर यथोचित सहयोग की बात कही।महुली में घटनास्थल पर प्रधान महुली मुरारी लाल मौर्य प्रधान अल्हवा अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे व पुलिस थाना कोराव हलका लेखपाल आदि भारी संख्या में लोग इकतृत हुए। मृतक पारस नाथ भाजपा नेता राजेश मिश्रा के चाचा हैं।

जसरा में वज्रपात से किशोर की गई जान,दादा गंभीर

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में वज्रपात के गिरने से धान की रोपाई कर रहे एक 18 वर्षीय किशोर की मौत हो गई,जबकि उसके दादा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।रविवार को दोपहर बाद लगभग ढाई बजे अचानक आसमान में घने बादल छा गए तथा बारिश होने लगी। उसी समय रेरा केवटान बस्ती के मोरध्वज बिन्द का बेटा विमलेश कुमार बिंद 18 वर्ष तथा उसके दादा नारायण बिंद खेत में धान की रोपाई कर रहे थे । उसी समय अचानक बादलों की गड़गड़ाहट के साथ तेज आवाज में बिजली धान की रोपाई कर रहे किशोर पर गिर गई । जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। जब कि खेत में रोपाई कर रहे उसके

दादा नारायण बिंद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को जसरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। वहीं वज्रपात से किशोर की मौत के बाद गांव में कोहराम मच गया। मृतक के घर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए हैं।

मां का रो रोकर बुरा हाल

रेरा गांव के केवटान मजरे में जब विमलेश के घर उसके मौत की सूचना पहुंची। विमलेश बिन्द की मां संगीता बिन्द दहाड़े मार मारकर रोने लगी। वहां आस पास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। मोहल्ले की महिलाएं संगीता को ढाढ़स बधां रही थीं।

पिता हुए बदहवास

विमलेश बिन्द के पिता मोरध्वज बिंद बेटे के शव से लिपट कर रो रहा था। कहा कि दो बेटे रहे,बड़ा बेटा नीरज बिन्द और दूसरा विमलेश बिन्द जो हमे छोड़कर हमेशा के लिए चला गया।

आकाशीय बिजली गिरने से दो युवक गंभीर रूप से घायल निजी अस्पताल में चल रहा है इलाज

अखंड भारत संदेश

बहरिया/प्रयागराज। क्षेत्र अंतर्गत सादलपुर कहली के रवि कुमार यादव पुत्र सूर्य बली यादव व संतलाल गौतम पुत्र मिठाई लाल गौतम ट्रैक्टर से अपना खेत जुतवाने के लिए गए थे।कि अचानक तेज बिजली की गड़गड़ाहट के साथ बारिश होने लगी और बिजली चमक कर उन्हीं दोनों लोगों के पास गिरी जिससे दोनों लोग बुरी तरीके से घायल हो गए जिनका इलाज दोनइच्या के प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है।जहां पर एक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

आकाशीय बिजली गिरने से दर्जनों घरों के जले इन्वर्टर व बिजली के उपकरण, हड़कम्प

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बारा थाना क्षेत्र के परसरा गांव के मजरे बसन्ती में रविवार की दोपहर अचानक आकाशीय बिजली गिरने से दर्जनों घरों के बिजली के उपकरण धू धूकर जलने लगे । इस बीच घरों में हड़कम्प मच गया। परसरा गांव के बसंती मजरे के लोग रविवार दोपहर खाना खाकर आराम कर रहे थे ।इसी बीच दोपहर के लगभग तीन बजे अचानक आकाश में बादल आये और जोर जोर से आकाश में बादलों की टकराहट से तेज आवाज आने लगी । इस बीच आकाशीय बिजली गिरी जिसमे राम विशाल के घर के बिजली के उपकरण तेज आवाज के साथ फटने लगे इनका इन्वर्टर,फ्रिज ,टीवी,मोबाइल आदि जल गए ,इसी तरह सुनील दुबे ,शिवम द्विवेदी, सत्यम द्विवेदी,आशु त्रिपाठी ,विजयकांत त्रिपाठी,सुमन्त मिश्र ,लाला मिश्र,रोहित मिश्र, भरत राज दुबे,गुरु प्रसाद शुक्ल आदि कइयों के बिजली के उपकरण ,टीवी,फ्रिज,इन्वर्टर, सहित उपकरण जलकर राख हो गए।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मजदूर सुलझा

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दिहाड़ी मजदूर झुलस गया। ग्रामीणों की मदद से उसे हास्पिटल भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार ओझा भारतीया (40) पुत्र देवनारायण भारतीया निवासी सोरांव-पांती अपनी आजीविका चलाने के लिए बकचूंदा गांव निवासी प्रभाशंकर तिवारी के यहां खेत में धान की रोपाई कर रहा था। उसी वक्त तेज बारिश शुरु हो गई। बारिश से बचने के लिए प्रभाशंकर के घर पर चला गया और बाहर बने कमरे में वह बैठ गया। उसी दौरान घर के बगल पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरी जिसकी चपेट में आने से वह झुलस गया। आकाशीय बिजली की सूचना पर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। गांव के समाजसेवी सभा तिवारी ने आनन-फानन में एंबुलेंस के माध्यम से झूलसे व्यक्ति को हॉस्पिटल भिजवा दिया, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। डप्रमुख समाचार अमरेश मिश्रा मेजा प्रयागराजङ

वृद्ध का शव पेड़ पर लटकता हुआ मिला

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के पुरवा खास गांव के समीप बगीचे में एक 65 वर्षीय वृद्ध का शव पेड़ से लटकता हुआ रविवार को मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। वहीं मृतक के परिजनों में कोहराम मचा रहा है। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित पुरवा खास गांव निवासी अनुज प्रताप सिंह (65) पुत्र हंसराज सिंह प्रतिदिन की तरह रविवार भोर लगभग 4:00 बजे सनन आदि किया। बताया जाता है कि वह अपने कमरे में पहुंचे और साड़ी लेकर घर से कुछ दूरी पर स्थित बगीचे में चले गए। तड़के सुबह लगभग 6:00 बजे उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने अनुज प्रताप सिंह को पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकते हुए देखा तो उनके परिजनों को सूचना दी। मौके पर परिजन पहुंचे और दहाड़ मार कर रोने बिलखने लगे। बीते लगभग दो माह पूर्व किसी बात को लेकर मृतक अनुज प्रताप सिंह और उनके परिजनों के बीच घरेलू कलह को लेकर वाद विवाद हो गया था। जिसके चलते वह फांसी लगाकर अपनी जान दे दिए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। मृतक के दो पुत्रों में एक पुत्र उत्तराखंड में रहते हैं। जबकि एक गांव में निवास करते हैं।

सेंट जॉन्स एकेडमी के कैडिटो ने किया वृक्षरोपण

अखंड भारत संदेश

नैनी। सेंट जॉन्स एकेडमी के कैडिटो ने एनसीसी ऑफिसर अभिजीत के नेतृत्व मे कोविड नियमों का पूरी तरह से पालन करते हुए लगभग 20 नीम बरगद पीपल व अन्य पौधों का वृक्षारोपण किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. जरीन रिजवी ने पहुंच कर वृक्षारोपण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समस्त कैडेटों को नीम, पीपल व बरगद आदि वृक्षों के गुणों से अवगत कराते हुए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस मौके पर गर्ल कडिट एडमिनिस्ट्रेटर देविका गुप्ता ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

वृक्षारोपण मे कैडेट अंजलि, जानवी, खुशी, पलक, राशि, अकाश, आनंद, हर्षित और तालिब आदि कैडेट मौजूद रहे।

समाजसेवी सोनू दुबे ने किया पौधारोपण और लोगों को पौधारोपण हेतु किया प्रेरित

अखंड भारत संदेश

जंघई। नेदुला ग्राम सभा के निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य सोनू दुबे ने पौधारोपण किया और लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन साथी है पौधा लगाएं, जीवन बचाएं पर्यावरण की रक्षा करें।सभी से निवेदन है पौधा अवश्य लगाएं सबसे महंगी चीजों हवा, पानी, आक्सीजन को प्रकृति ने हमें मुफ्त में दिया है तो यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि उसे सहेज कर रखें।

थाने पर हंगामा कर रहे वकील समेत पांच लोगों का चालान

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र थाने में रविवार को जमीन को लेकर दो पक्षों के लोग विवाद करने लगे। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने के लिए भरपूर प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्ष मानने को तैयार नहीं हुए और हंगामा काटते रहे। जिस पर पुलिस ने दोनों पक्षों से जुड़े वकील समेत पांच लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए शांतिभंग के आरोप में चालान कर दिए। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित मुगारी ग्राम सभा के अंतर्गत हल्दी खुर्द मजरे में एक जमीन के विवाद को लेकर दोनों पक्ष औद्योगिक क्षेत्र थाने में रविवार को पहुंचे हुए थे। जहां पर दोनों पक्ष आपस में ही उक्त जमीन के विवाद को लेकर जमकर हंगामा करने के साथ ही कहासुनी करने लगे। मौजूद पुलिसकमिर्यों ने दोनों पक्षों को हस्तक्षेप कर शांति कायम करने के लिए प्रयास किया तो दोनों पक्ष पुलिस के लाख कोशिशों के बावजूद किसी की बात मानने को तैयार नहीं हुए। वहां पर मौजूद अन्य फरियादियों में भी उन दोनों पक्षों के विवाद से हड़कंप मच गया। पुलिस ने दोनों पक्षों से जुड़े हल्दी खुर्द के ही रहने वाले नूर अहमद पुत्र मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद नुमान पुत्र सादिक, मोहिद्दीन सिद्धकी व सुजैल पुत्रगण अनवर उल्ला, मुगीश उद्दीन पुत्र गयासुद्दीन के खिलाफ पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए शांतिभंग के आरोप में चालान कर दिए।

क्रियायोग आध्यात्मिक विज्ञान सभी विज्ञानों का विज्ञान : स्वामी श्री योगी सत्यम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। झूंसी स्थित क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान, में देश-विदेश के साधक सत्य की खोज में निरंतर लगे हुए है।

क्रियायोग गुरु श्री योगी सत्यम ने बताया कि क्रियायोग आध्यात्मिक विज्ञान सभी विज्ञानों का विज्ञान है। तथा आश्रम में मौजूद साधक सत्य की अनुभूति में निरंतर सुबह शाम साधना करते रहते हैं। तथा यह भी बताया कि क्रियायोग अभ्यास से सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। आध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है, कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शांति , आनंद , नाम -यश, अन्तर व बाह्य धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान ,शक्ति, शांति, आनंद , धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

इसी प्रकार क्रियायोग के सिद्धांतों पर चलने वाला हर सामान्य व्यक्ति दृश्य जगत में रह कर परब्रह्म की अनुभूति करने लगता है। योगी सत्यम् जी वैज्ञानिक तरीके से सभी को स्पष्ट कर रहें हैं कि सभी रचनाओं में मानव की

रचना अद्भुत है। मनुष्य में सिर (जड़) ऊपर और रीढ़ व अन्य भाग (तना) नीचे है, यह रचना निरन्तर अनुसंधान के लिए है। सत्य का अनुसंधान सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान है क्योंकि सत्य की अनुभूति के बिना स्वम में चिर शान्ति, सर्वज्ञता, सनातनता, अमरता, सर्वव्यापकता, आनन्दत्वम की अनुभूति, सम्भव नहीं है। मृत्युन्जय महावतार बाबा जी ने सिद्ध कर दिया है कि सत्य अनुभूति के लिए मनुष्य को व्याधिरहित 10 लाख वर्ष की आवश्यकता होती है। एक जन्म में सत्य की अनुभूति के लिये महावतार बाबा जी ने लुप्त क्रियायोग को पुनर्जीवित किया। महावतार बाबा जी ने स्पष्ट किया है कि इसके सम्यक् अभ्यास से अल्प काल में (3,6,12,18,24,48 वर्षो में) ही मनुष्य को सत्य की पूर्ण अनुभूति हो जाती है। सत्य अनुभूति का अभिप्राय, अमरता की अनभूति, अपने सनातन अस्तित्व की अनुभूति, नित्य नये ज्ञान- शक्ति-शान्ति-आनन्द की अनुभूति से है। आदिकाल से परम सत्य की खोज मानव की विशेषता रही है। सांच को आंच नहीं, एक सत्य सूत्र है। शारीरिक बीमारियां, मानसिक अशांति और अज्ञानता के विविध आयाम को आंच कहते हैं। क्रियायोग से पूर्ण एकता स्थापित होने पर मनुष्य अनुभव करता है कि परब्रह्म-अद्वैत, नित्य, पूर्ण, अनादि, अनंत, सर्वज्ञ, सर्वव्यापी ,सर्वशक्तिमान व अमर है। अविद्या - विद्या, व मृत्यु - अमरता विषयो पर प्रतिदिन प्रशिक्षण के साथ अभ्यास कराया जा रहा है। क्रियायोग अविद्या से मुक्ति का विज्ञान है। जो अस्तित्व में नहीं है, उसके अस्तित्व के बारे में भ्रांत धारणा अविद्या है। मृत्यु व मृत्युलोग के अस्तित्व को स्वीकार करना माया के अस्तित्व को स्वीकार करना है, और यही सभी कष्टों का कारण है। क्रियायोग से सम्यक् जुड़ने से माया का प्रभाव निष्क्रिय हो जाता है और अनुभव होता है कि हम निरन्तर सत्य व अहिंसा से जुड़े थे, जुड़े है और जुड़े रहेंगे।

निर्दलीय ब्लाक प्रमुखों को अपना बता कर पीट थप थपा रही है योगी सरकार : मो0 शारिक़

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शासन, प्रशासन, गोली, बम, चीरहरण, अराजकता, अपहरण, प्रलोभन जैसे अनैतिक तरीको दण्ड भेद जैसे सभी हथकण्डे अपनाने के बाद भी प्रदेश मे योगी सरकार की सिर्फ किरकिरी ही हुई।सपा ने विपक्ष मे होते हुए भी अच्छी जीत दर्ज की।आंकड़े बाज़ी के खेल मे सपा से मिली करारी हार को स्वीकार करने के बजाए निर्दलीयों को अपना बता कर आँकड़े मे सर्व प्रथम दर्शा रही है जब्कि निर्दलीय ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी भाजपा से निराश हो कर ही मैदान मे उतरे थे।समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव मो0शारिक़ ने उक्त आरोप भाजपा द्वारा भ्रामक जीत के आंकड़े प्रस्तुत करने पर झूठवादी सरकार को कटघरे मे खड़ा किया।यमुनापार की 9 सीटों मे से 6 सीटों पर समाजवादी पार्टी के ब्लाक प्रमुख प्रत्याशीयों को मिली ऐतिहासिक जीत पर मो0शारिक ने बधाई देते हुए इसे सामुहिक प्रयास की जीत बताया।मुस्लिम बीडीसी सदस्यों को समाजवादी पार्टी के ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी के पक्ष मे मतदान करने मे अहम रोल अदा करने वाले मो0इसराइल,मशहद अली खाँ,मोजिज़ अब्बास उर्फ लखते प्रधान,इमरान प्रधान,डॉ आफताब आलम,करछना विधान सभा अध्यक्ष सनील अहमद की चुस्त फील्डिंग की बदौलत यमुनापार के कंक्रीट युक्त मैदान मे 6 विकेट से मिली जीत का सेहरा बाँधते हुए यमुनापार के समस्त सपाई ब्लाक प्रमुखों को बधाई दी गई।

अखंड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

15 जलाई को सपा का तहसीलों पर प्रदर्शन

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देशानुसार प्रदेश के सम्पूर्ण ज़िलों की तहसीलो पर ज़िला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव,ब्लाक प्रमुख के चुनाव मे शासन व भाजपा के द्वारा अराजकता, महंगाई ,बिगड़ी कानून व्यवस्था,छात्रों व नौजवानो पर फर्ज़ी मुक़दमे,किसानो की अनदेखी महिलाओं का उत्पीड़न समेत अन्य मांगो को लेकर सभी तहसील मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन करते हुए महामहिम राज्यपाल महोदया को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा जायगा।सपा महा नगर प्रवक्ता सै0मो0अस्करी ने उक्त सूचना देते हुए बताया की महानगर अध्यक्ष सै0इफ्तेखार हुसैन व नगर महासचिव रवीन्द्र यादव रवि की अगुवाई मे 15 जुलाई को कलेक्ट्रेट स्थित सदर तहसील पर प्रातः 11 बजे से धरना प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन दिया जाएगा।

रामसागर तालाब पर चलाया पौधारोपण अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा खंड चाका के रामसागर तालाब के समीप शनिवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गयात् जिसमे संयुक्त नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज की टीम ने भी सहभागिता की त् संस्थान के फील्ड इंचार्ज केपी उपाध्याय द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया व सामुदायिक अधिकारी हेमा पंत द्वारा संचालन किया गया। केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान के उप निदेशक डॉक्टर डी एन झा, मुख्य अतिथि तथा नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज की जिला परियोजना अधिकारी ,नमामि गंगे एषा सिंह विशेष अतिथि रहे। गंगा विचार मंच के संयोजक राजेश शर्मा की भी सहभागिता रही त् रामसागर तालाब के पास विभिनन प्रकार के सेकड़ो पौधे रोपित किए गए त् उप निदेशक झा ने कहा कि पेड़ पौधे इन विषैली गैसों को वायुमंडल में फैलने से रोक कर पर्यावरण को प्रदूषित होने से रोकते

हैं। धरती प्रदूषण रहित रहे इसके लिए हमें पेड़-पौधों की रक्षा तथा उनके नवरोपण की ओर ध्यान देना चाहिए।

के पी उपाध्याय ने जैव विविधता संरक्षण व जलीय जीव के पुनर्वास एवं पौधो कि विभिनन प्राजातियो के बारे में विस्तार से मौजूदा लोगो को बताया त् डीपीओ एषा सिंह द्वारा पर्यावरण संरक्षण ,पौधारोपण , तालाब की साफ-सफाई , कछुआ बचाव इत्यादि को लेकर जन जागरूक किया एवं वहाँ के स्थानीय समुदाय से विशेष आग्रह किया की पौधों की रक्षा एवं संरक्षण करें त् डब्लूयूआईआई टीम की प्रियंका सिंह, अनु सैनी ,एन वाई के प्रशिक्षक ओम प्रकाश मिश्रा, निर्मल कांत पांडे , गंगा पहरी के शिवम , कुलदीप, शशांक , विशाल, रोहित , निखिल, उज्जवल, अनिल, मिथिलेश, मोहित के साथ ही अनेक ग्रामीण वासी तथा गंगा दूतों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

सम्पादकीय

टैक्स विवाद खत्म हो

इन दोनों ही मामलों में सरकार ने अपील की है। केयर्न एनर्जी के मामले में हालिया फैसले का एक असर यह हो सकता है कि जो भी देश न्यूयॉर्क आर्बिट्रेशन कन्वेंशन के सदस्य है, वे कंपनी को अपने हितों की रक्षा करने की इजाजत देंगे। ब्रिटेन की पेट्रोलियम कंपनी केयर्न एनर्जी पीएलसी के साथ एक टैक्स विवाद में भारत सरकार को झटका लगा है। इस मामले में फ्रांस की एक अदालत ने पैरिस में भारत सरकार की संपत्तियों को फ्रीज करने का आदेश दिया है। कुछ ही महीने पहले केयर्न ने इसी तरह से अमेरिका में एयर इंडिया की संपत्ति पर दावा किया था। वह इन कदमों से पिछले साल एक अंतरराष्ट्रीय अदालत के आदेश के मुताबिक भारत सरकार पर बकाये के भुगतान का दबाव बना रही है। असल में, 2007 में वोडाफोन ने भारतीय टेलिकॉम कंपनी हचिसन-एस्सार में हचिसन की 67 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। कुछ साल बाद इस सौदे पर ब्रिटिश कंपनी से 20 हजार करोड़ का टैक्स मांगा गया। वोडाफोन ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया और केस जीत गई। इसके बाद सरकार ने 2012 में पिछली तारीख से टैक्स लगाने का कानून बना दिया, जिससे सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेमानी हो गया। वोडाफोन ने तब भारत सरकार को अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेशन अदालत में चुनौती दी। सितंबर, 2020 के आखिर में वोडाफोन वहां भी केस जीत गई। केयर्न एनर्जी की भी कुछ ऐसी ही कहानी है। वह 2007 में अपनी भारतीय इकाई केयर्न इंडिया का आईपीओ लेकर आई।

एक साल पहले उसने केयर्न इंडिया के साथ कई अन्य भारतीय इकाइयों को मिलाया था। इसके सात साल बाद टैक्स डिपार्टमेंट ने कहा कि कई इकाइयों को मिलाने से आपको कैपिटल गेन हुआ। इसलिए उस पर टैक्स चुकाना होगा। इसमें भी पिछली तारीख से टैक्स वसूलने वाले कानून का इस्तेमाल किया गया। केयर्न ने भी इस फैसले को अदालत में चुनौती दी। इस बीच टैक्स डिपार्टमेंट ने 10 हजार करोड़ से अधिक बकाये की एवज में केयर्न इंडिया के 10 फीसदी शेयर बेच दिए। यह काम एनडीए सरकार के कार्यकाल में हुआ। पिछले साल के अंत में नीदरलैंड्स में हेग के आर्बिट्रेशन कोर्ट ने भारत सरकार से ब्याज सहित यह रकम केयर्न को चुकाने का निर्देश दिया। केयर्न और वोडाफोन, दोनों ही मामलों में आर्बिट्रेशन कोर्ट ने कहा कि द्विपक्षीय समझौतों को तोड़कर भारत का कंपनियों पर टैक्स लगाना गलत है। इन दोनों ही मामलों में सरकार ने अपील की है। केयर्न एनर्जी के मामले में हालिया फैसले का एक असर यह हो सकता है कि जो भी देश न्यूयॉर्क आर्बिट्रेशन कन्वेंशन के सदस्य हैं, वे कंपनी को अपने हितों की रक्षा करने की इजाजत देंगे। इससे भारत सरकार की और फजीहत होगी। दूसरे देशों में उसकी और संपत्तियों के फ्रीज होने की सूरत बन सकती है। दूसरी बात यह है कि ऐसे मामलों से विदेशी निवेशकों के बीच देश की छवि खराब होती है। यूं भी एनडीए 2014 में टैक्स टेररिज्म खत्म करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी। इसलिए अच्छा यही होगा कि सरकार को आपसी बातचीत से इस मसले को सुलझा ले। इसका संकेत गुरुवार को वित्त मंत्रालय ने दिया भी। उसने कहा कि वह देश के कानून के मुताबिक केयर्न एनर्जी के साथ विवाद सुलझाने को तैयार है।

वीरभद्र सिंह रियासत के ही नहीं, बल्कि सियासत के भी ताउम्र राजा रहे

विजेंदर शर्मा

हिमाचल प्रदेश की राजनिति के कददावर नेता वीरभद्र सिंह को आज हजारों लोगों ने नम आखों से भावभीनी अंतिम विदाई दी । राजधानी शिमला से लेकर रामपुर बुशहर तक आज हर ओर मातम पसरा था अपने महबूब नेता के बिछुडने के गम में हर आंख रोती नजर आई । यही हाल प्रदेश के दूसरे हिस्सों में था कहीं बाजार बंद रहे तो कहीं प्रार्थना सभायें आयोजित की गईं। हर किसी ने उनके हिमाचल को दिये योगदान को आज याद किया कइयों के पास तो इसके लिये शब्द ही नहीं बचे थे । निसंदेह वीरभद्र सिंह रियासत के ही नहीं, बल्कि सियासत के भी ताउम्र राजा रहे । उन्होंने हमेशा अपनी शर्तों पर राजनीति की। लगभग साठ साल के राजनीतिक जीवन में उन्होंने कांग्रेस से चोली-दामन का साथ रखा। कांग्रेस हाईकमान की हां में हां मिलाने के बजाय उन्होंने अपनी बात मनवाने का हमेशा दम दिखाया। तो सियासी विरोधियों के हर पैंतरे का वह हमलावर जवाबदेते रहे। सियासी चालों में वह विवादों में उलझे जरूर, मगर अपनी रणनीतिक कुशलता से हमेशा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। देवभूमि के दिग्गज नेता वीरभद्र सिंह को लोग यूं ही राजा नहीं कहते।

आजादी के संधिकाल में तेरह साल की उम्र में राजगद्दी पर बैठे वीरभद्र ने आगे लोकतांत्रिक राजनीतिक का राजा भी बनना था। रियायतों के अस्तित्व ने लोकतंत्र का जामा पहना तो वर्ष 1962 में महज 28 साल की उम्र में सांसद बनकर उन्होंने लोकतांत्रिक राजनीति में पांव जमा लिए। नेहरू के बाद इंदिरा गांधी की उम्मीदों के हिमालयी सूर्य बने वीरभद्र 1983 में मुख्यमंत्री बने तो इसके बाद तो वह आंधी की तरह चले। 22 साल तक वह सीएम रहे। उनके राज सिंहासन पर कई बाधाएं मंडराईं। पर वह अपने रण कौशल से सबको धराशायी करते रहे या अपना बनाते रहे। जिससे वह कांग्रेस की राजनीति के वटवृक्ष बन गए, जिसकी छाया में नए हिमाचल का निर्माण हुआ। नेहरू, इंदिरा के साथ काम कर चुके वीरभद्र का सोनिया और राहुल गांधी भी अदब करते। उनकी उपेक्षा करने की कोशिशें हुई, पर उनकी उंगली का इशारा हाईकमान को भी मानना पड़ा। करीब साठ साल की उम्र में ऐसा बहुत कम समय रहा, जब वह मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री,

सांसद या विधायक न रहे हों। वह हमेशा किसी न किसी पद पर रहे। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव से पहले वीरभद्र सिंह ने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देकर हिमाचल की राजनीति में फिर कदम रखा तो पार्टी में उनके खिलाफ बगावत होने लगी। हाईकमान ने भी अनदेखी शुरू की तो वीरभद्र समर्थक विधायकों ने दिल्ली जाकर हाईकमान को इस्तीफे थमा दिए थे तो बैकफुट पर आकर वीरभद्र की माननी पड़ी। उनके हिसाब से टिकटों का बंटवारा हुआ और उन्हें ही कैंपेन कमेटी का प्रमुख बनाया गया। वीरभद्र में गरीबों और असहायों के लिए करुणा कई बार देखने को मिली। यह 2014 के आसपास की बात है। चंबा की एक औरत शिमला में उनके पास गई और चंबा जाने के लिए किराया न होने की बात करने लगी। वीरभद्र सिंह इस महिला को दूसरे दिन अपने साथ हेलीकॉप्टर में बैठाकर चंबा ले गए। उनका चंबा का कार्यक्रम था। वीरभद्र सिंह के घर एक मामले में सीबीआई ने रेड की तो उनकी बेटी अपराजिता सिंह की शादी थी। वीरभद्र सिंह ने सीबीआई की टीम को चाबी पकड़वा दी और कहा कि वे खाना खाकर ही जाएं।

अपने पिता राजा वीरभद्र सिंह की अंत्येष्टि के बाद उनके पुत्र विक्रमादित्य सिंह ने कहा - मैं आज वचन देता हूं कि आजीवन राजा साहब की सोच पर चलूंगा। प्रदेश को लेकर राजा साहब के जो सपने थे, उन्हें पूरा करने का हरसंभव प्रयास करूंगा। इसमें कई कठिनाइयां और उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन फिर भी पीछे नहीं हटूंगा। राजा साहब ने हिमाचल प्रदेश को एक सूत्र में बांधा था। देवी-देवताओं के प्रति राजा साहब की अटूट आस्था थी, मैं भी उसे पूरा जीवन कायम रखूंगा।वीरभद्र सिंह के पार्थिव शरीर के सामने पद्म पैलेस में उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह का राज तिलक हुआ। इसी के साथ उन्हें बुशहर रियायत का 123वां राजा चुन लिया गया। बुशहर रियासत भगवान कृष्ण कीवंशावली से संबंधित मानी जाती है। शनिवार सुबह विक्रमादित्य सिंह को पीपल के पेड़ के नीचे राजगद्दी पर बैठाया गया। यह प्रक्रिया परदे में हुई। इस दौरान राजगद्दी कक्ष में केवल राजपरिवार के चुनिंदा लोगों और पुरोहितों को ही अंदर जाने की अनुमति रही। दोपहर बाद जैसे ही वीरभद्र सिंह की पार्थिव देह बाहर लाई गई तो उन्हें महल के भीतर राज सिंहासन पर बैठाया गया।

कृषि क्षेत्र को छोड़ने के लिए किसानों को मजबूर किया जा रहा है

परमजीत सिंह

कोरोना काल की आपदा से जब पूरा देश तबाह है तो उसे अवसर में कैसे बदला जाता है, यह देश के प्रधानमंत्री से सीखना चाहिए। आपदा को अवसर में बदलने का जो खेल होता है उसका शिकार मजदूर, किसान सबसे पहले होते हैं। ऐसा लगता है कि कोरोना देश की आम जनता के लिए मुसीबत साबित हो रहा है तो वहीं सरकार तथा सरकार समर्थित पूंजीपतियों के लिए एक मौका की तरह है। जब पहली बार कोविड-19 ने भारत में दस्तक दी थी, तब एक के बाद एक राज्य सरकारों ने मजदूरों के अधिकारों के लिए बने कानून को रद्द करना शुरू कर दिया.. वहीं केंद्र सरकार ने किसानों के खिलाफ एक के बाद एक तीन कानून पास कराके कृषि की बुनियाद ही हिला कर रख दी। सितंबर में बने तीनों कानून के खिलाफ किसान पिछले लगभग 6 माह से दिल्ली के बार्डर पर बैठे हैं, जिनकी सुध लेने के लिए कोई सरकार तैयार नहीं है। जब सरकार को इससे भी मन नहीं भरा तो डीजल और पेट्रोल का दाम बढ़ाकर कृषि पर अतरिक्त बोझ लाद दिया। इस बढ़े हुए दाम से जहाँ कृषि में लागत बढ़ेगी वहीं किसानों की आमदनी पर भी बुरा असर पड़ेगा। हो सकता है कि किसान की आर्थिक हालत और खराब हो जिससे आत्महत्या में बढ़ोत्तरी देखने को मिले। यह सब होते हुए वर्ष 2020-21 का रबी सीजन बीत गया लेकिन सरकार ने किसी प्रकार की नई योजना शुरू करना तो दूर की बात है, बल्कि एक बड़ा बोझ और लाद दिया। भारत सरकार की सबसे बड़ी रासायनिक खाद निर्माता कंपनी म्दि ने खादों के दामों में बेतहाशा वृद्धि कर दी।

आईएफएफसीओ के नये पैकेट पर जब नया रेट बढ़कर आया तो इस बात पर विवाद शुरू हो गया कि कोरोना काल में उर्वरक का मूल्य बढ़ाने की क्या जरूरत थी। और तभी से यह आशंका लगने लगी थी जब देश में उर्वरक बनाने वाली निजी स्वामित्व की कंपनी ने रेट बढ़ाया था, तो घ्इइण्ध् भी मूल्य बढ़ाएगी। क्या निजी कंपनियों के बाजार को बनाए रखने के लिए सरकारी स्वामित्व वाली कम्पनी ईफको ने उर्वरक के रेट बढ़ाने का फैसला लिया? 7 अप्रैल 2021 को जब म्दि का एक पेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो किसानों और किसानों के प्रति सहानुभूति रखने वालों के बीच इसे लेकर हंगामा मच गया। एक तरफ देश और जनता कोरना की मार झेल रही है, कृषि में घाटा होने के कारण पिछले 6 माह से किसान दिल्ली के बार्डर पर बैठे हैं.. तो इफको को ऐसे विज्ञापन की जरूरत क्या थी.? देश में किसी भी ओद्योगिक क्षेत्र में ऐसी वृद्धि इतनी देखने को मिली जितनी कि म्दि के द्वारा उत्पादित उर्वरक में की गई है। सोशल मीडिया पर लगातार सरकार की हो रही आलोचना को देखते हुए म्दि ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। किसानों की नाराजगी को शांत करने के लिए म्दि की तरफ से प्रबंधक निदेश डॉ. यू.एस. अवस्थी सामने आए। उन्होंने ने 8 अप्रैल को एक के बाद एक 4 से ज्यादा ट्वीट किये। उन्होंने ट्विटर के जरिये यह बताने की कोशिश की की म्दि के द्वारा बढाया गया दाम किसानों पर लागू नहीं होगा। म्दि के पास पहले से 11.26 लाख टन स्टोरेज है तथा किसानों को उर्वरक पुरानी दरों पर ही दिया जायेगा।

आईएफएफसीओ की तरफ से प्रबंधक निदेशक डॉ. यू.एस. अवस्थी ने किसी भी ट्वीट में यह नहीं बताया कि म्दि के द्वारा नया उर्वरक भी आएगा (स्टाक किये हुए उर्वरक के बाद) उसके मूल्य में वृद्धि होगी या नहीं। इसलिए यह कयास लगाया जा रहा था कि मूल्य में वृद्धि तो हो चुकी है, अब यह देखना था कि स्टॉक उर्वक पर मूल्य बढ़ाया जायेगा या फिर नई आने वाले उर्वरक पर मूल्य बढ़ाया जायेगा। राज्यों ने म्दि के बढाये हुए मूल्य को लागू कर दिया लेकिन जैसे ही खरीफ वर्ष 2021-22 शुरू होने को आया राज्य सरकारों ने एक एक करके म्दि के द्वारा जारी नये मूल्य को लागू करना शुरू कर दिया। लेकिन यह कदम कृषि घातक साबित होगा, और इससे कृषि लागत इतनी बढ़ जाएगी कि आम किसान के बूते की बात नहीं होगी।छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने जनसंपर्क विभाग की तरफ से 8 मई को जारी आदेश में यह जानकारी दी गई कि राज्य में उर्वरक का मूल्य बढा दिया गया और राज्य के कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री से उर्वरक के बढ़े दामों को कम करने का आग्रह किया। राज्य के कृषि मंत्री के द्वारा बताया कि उर्वरक के मूल्य में 58 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। इसके साथ ही सिंगल सुपर फास्फेट के दामों में भी वृद्धि हुई है। इससे म्दि का वह दावा झूठा साबित हुआ है कि गैर यूरिया खादों के दामों में वृद्धि नहीं की गई है और यह तय हो गया है कि देश में उर्वक का मूल्य बढा दिया गया है। मध्य प्रदेश के शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली बीजेपी सरकार ने म्दि के द्वारा बढाये गये मूल्य को राज्य में लागू भी कर दिया है। यह मूल्य वृद्धि इस खरीफ मौसम से लागू होगी। लेकिन यहाँ सोचने वाली बात यह है कि म्दि ने यह दावा किया था की उसके पास 11.26 लाख मैट्रिक टन उर्वरक स्टाक है तथा किसानों को पुरानी रेट पर ही उर्वरक उपलब्ध कराया जायेगा। तो फिर मध्य प्रदेश सरकार ने बढ़ी हुई नई दर को कैसे लागू कर दिया। राज्य में लागू नये रेट से जहाँ कृषि में लागत बढ़ेगा वहीं किसान कृषि से दूर जाने की कोशिश करेंगे। केंद्र सरकार के हालिया लिए गये निणर्य से ऐसा लगता है कि सरकार भी यही चाहती है कि किसान कृषि को छोड़ शहरों की तरफ भागें, जिससे कंपनियों को सस्ता तथा सुलभ मजदूर मिल सके।

एक योद्धा सन्यासी का महाप्रयाण

चिन्मय मिश्रा

भारत में लगातार विश्व रिकार्ड बनाने की होड़ मच गई है। 84 वर्षीय फादर ऐसे संभवतः पहले व्यक्ति होंगे जिन्हें इतने कठोर कानून में निरुद्ध किया गया होगा। वे इस तरह से प्राण छोड़ने वाले भी पहले ही व्यक्ति होंगे। यूएपीए व अन्य दमनकारी कानूनों में लोग 20-20 साल बिना अपराध सिद्ध हुए जेल में रहे और अंत में सबूतों के अभाव में छूट गए। भीमा कोरेगांव मामले में करीब दो वर्षों में चार्जशीट भी दाखिल नहीं हो पाई है। इस मामले में ऐसे तमाम लोग गिरफ्तार हैं, जिनका जीवन वंचितों को अधिकार दिलवाने में बीत गया है। ये सभी असाधारण प्रतिभाशाली लोग हैं। इनमें फादर अब कम हो गए हैं।

दिखाई देता है जो भेड़िये के होठों पर, वो लाल दूध हमारी सफ़ेद गाय का है - राहत इंदौरी

फादर स्टेन स्वामी का महाप्रयाण, महात्मा गांधी की हत्या और जय प्रकाश नारायण की रहस्यमयी बीमारी के बाद घटी सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक है। फादर क्या थे, क्या नहीं, इस पर बहुत सारी बातें हो सकती हैं। मुझे लगता है एक चित्र जिसमें प्रतीत हो रहा है कि चिलचिलाती धूप है। फादर के सामने एक लड़की संभवतः जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, नंगे पैर खड़ी है और फादर अपने पैरों से चप्पल उतार कर उस लड़की को पहना रहे हैं। दूर-दूर तक कोई नहीं है। इस तस्वीर को देखने के बाद कुछ भी कहने सुनने को बचता ही नहीं। साथ ही साथ यह भी लगता है कि उनकी मृत्यु की न्यायिक जांच आदि की मांग करने की भी कोई आवश्यकता नहीं है। हम सबको बजाय जांच के उन परिस्थितियों पर विस्तार से विचार करना चाहिए जिसकी वजह से फादर की मृत्यु हुई है। वह न तो हत्या थी न ही आत्महत्या वह तो एक तरह से महाप्रयाण था, जिसकी घोषणा वे करीब एक महीने पहले स्वयं अदालत में कर चुके थे। क्या इसे भीष्म गांधी का विनोबा जैसी इच्छा मृत्यु कहा जा सकता है ?

पवित्र बाइबिल में लिखा है, "तुम लोगों ने सुना है कि कहा गया है, 'आँख के बदले आँख और दाँत के बदले दाँत।' परंतु मैं तुमसे कहता हूँ - दुष्ट का सामना नहीं करो। यदि कोई तुम्हारे दाहिने गाल पर थप्पड़ मारे तो दूसरा भी उसके सामने कर दो। जो मुकदमा लड़कर तुम्हारा कुरता लेना चाहता है उसे अपनी चादर भी ले लेने दो।" फादर ने इस देषणा का शब्दशः पालन किया। सत्ता उन्हें गिरफ्तार कर जेल की सजा देना चाहती थी, उन्होंने कुरते के बदले चादर यानी सजा का इंतजार किए बिना अपनी जान दे दी। शायद सत्ता सीन समुदाय को इससे थोड़ा चैन मिलेगा उन्हें अपनी जीत का अहसास होगा। जबकि वास्तविकता यह है कि फादर की मृत्यु भारतीय सत्ता व शक्ति प्रतिष्ठान, पुलिस प्रशासन, कानून, संविधान और समाज की सामूहिक हार है। एक अकेले 84 वर्षीय व्यक्ति जिसके हाथ कांपते हों, सुनाई नहीं देता हो, जो ठीक से चल भी नहीं सकता हो, वह कितना शक्तिशाली हो सकता है, फादर इसकी जीवंत मिसाल हैं। पूरा भारतीय गणतंत्र आज हतप्रभ है। और क्यों न हो। यहां न्यायालय को उन्हें सिपर (पानी पीने का बर्तन) व स्ट्रा उपलब्ध करवाने में दो महीने लगते हैं। एनआईए इसका विरोध करती है। न्यायालय तुरंत निणर्य करने की बजाए तारीख देता है। जबकि यह सुविधा जेल प्रशासन बिना किसी बाहरी अनुमति के स्वयं उपलब्ध करवा सकता था। इस बात पर भी गौर करिए न्यायालय को उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई में चार महीने लगते हैं। जबकि इसी वर्ष इसी मुकदमें में गौतम नवलखा की जमानत याचिका पर निणर्य देते हुए न्यायालय ने धारा 167 के अंतर्गत आरोपी को घर में ही निरुद्ध किये जाने संबंधी दिशानिर्देश जारी कर दिये थे और फादर उन पर खरे उतर रहे थे।भारतीय संविधान की उद्देशिका, सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय, प्रतिष्ठा व अवसर की समानता के साथ व्यक्ति की गरिमा की बात दोहराती है। क्या फादर को यह सब मिला ? संविधान को अनुच्छेद 14 (मूल अधिकार) विधि (कानून) के समक्ष समता की बात करता है। इसी खंड का अनुच्छेद - 19 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण व निरायुध सम्मेलन का अधिकार देता है। और अनुच्छेद - 20 कहता है कि जब तक अपराध सिद्ध न हो जाए उसे अपराधी न माना जाए। अनुच्छेद 21 प्राण व दैहिक स्वतंत्रता के संरक्षण का अधिकार देता है और अनुच्छेद 22 कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण देता है यहां अनुच्छेद 21 पर पुनः गौर करिए, इसमें कहा है कि किसी व्यक्ति को उसके प्राण का दैहिक स्वतंत्रता से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जाएगा, अन्यथा नहीं। परंतु क्या इस मामले में ऐसा हुआ ? जवाब आपके पास ही है। इधर भारत में लगातार बिस्व (विश्व) रिकार्ड बनाने की होड़ मच गई है। 84 वर्षीय फादर ऐसे संभवतः पहले व्यक्ति होंगे जिन्हें इतने कठोर कानून में निरुद्ध किया गया होगा। वे इस तरह से प्राण छोड़ने वाले भी पहले ही व्यक्ति होंगे।

गौरतलब है यूएपीए व अन्य दमनकारी कानूनों में लोग 20-20 साल बिना अपराध सिद्ध हुए जेल में रहे और अंत में सबूतों के अभाव में छूट गए। भीमा कोरेगांव मामले में करीब दो वर्षों में चार्जशीट भी दाखिल नहीं हो पाई है। इस मामले में ऐसे तमाम लोग गिरफ्तार हैं, जिनका जीवन वंचितों को अधिकार दिलवाने में बीत गया है। ये सभी असाधारण प्रतिभाशाली लोग हैं। इनमें फादर अब कम हो गए हैं। इस पूरे मामले में एक और विरोधाभास नजर आता है। माओवादियों को तो नास्तिक माना जाता है उनकी वामपंथी विचारधारा के कारण। लेकिन फादर तो जबरदस्त आस्तिक रहे और ईसाई धर्म के दीक्षित पुजारी रहे। तो यह उत्तर-दक्षिण या पूर्व-पश्चिम का मेल कैसे संभव हो पाया? इसका दूसरा आशय यह निकाला जा सकता है कि वंचितों के लिए कार्य करने वाले अपने वैचारिक मतभेद तक भुला देते है।

पवित्र बाइबिल में ईसा मसीह कहते हैं, "तुम लोगों ने सुना है कि कहा गया है, 'अपने पड़ौसी से प्रेम करो और अपने बैरी से बैर।' परंतु मैं तुमसे कहता हूँ - अपने शत्रुओं से प्रेम करो और जो तुम पर अत्याचार करते हैं, उनके लिए प्रार्थना करो।" जेल में और अदालत में जो कुछ भी फादर ने कहा है वह उपरोक्त कथन पर पूरी तरह से लागू होता है। उन्होंने किसी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला सिवाय इस बात के कि मुझे गलत फंसाया जा रहा है। बाइबिल कहती है, "यदि तुम उन्हीं से प्रेम करते हो, जो तुमसे प्रेम करते है, तो पुरस्कार का दावा कैसे कर सकते हो। परंतु भारतीय शासन तंत्र तो जैसे असहमति के खिलाफ किसी निर्णायक युद्ध का फैसला कर चुका है। हम रोज सुन रहे हैं कि लोग वर्षों तक जेल में रहने के बाद बिना सजा के छूट रहे हैं और उनका जीवन नष्ट हो जाता है। जम्मू कश्मीर में असहमत राजनीतिज्ञों में से कई अपने घरों में नजरबंद रहे तो कई भारत के अन्य हिस्सों में जेलों में बंद हैं। किसी व्यक्ति के जीवन के स्वर्णिम वर्षों को नष्ट करने का खामियाजा भी अंततः पीडि़ति ही भुगतता है और पुलिस व अन्य अधिकारी लगातार पदोनन्त होते जाते हैं। वे लाखों रु. वेतन के रूप में पाते है और हजारों रु. पेंशन का जबकि गलत तरीके से फंसाया गया व्यक्ति बर्बाद हो जाता है और उसे शासन किसी तरह का मुआवजा भी नहीं देता। राहत इंदौरी लिखते है, ये वो शहर है जहां राक्षस भी रहते है, हर एक तराशे हुए बुत को देवता न कह। फादर की मृत्यु ने भारतीय लोकतंत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत की है। अब यह देश भर के संघर्षरत समुदाय पर है कि वे किस तरह एकजुट होकर इस दानवी आपदा का मुकाबला करते हैं। वस्तुतः कोई भी राजनीतिक विचारधारा या दल खुलकर इस मामले में सामने आएगा, इस बात में संदेह है। कांग्रेस ने पिछले आम चुनाव में अपने घोषणापत्र में देशद्रोह वाली धारा को हटाने की बात की थी। उसने टाडा व पोटा को हटाने का साहस भी दिखाया था, क्या अब वह इन दमनकारी कानूनों के खिलाफ पूरी तरह से सामने आने का साहस कर पाएगी? कहना कठिन है। परंतु उच्च नेतृत्व की इस घटना को लेकर आई प्रतिक्रियाएं आशा तो जगाती हैं। भारत का वर्तमान राजनीतिक परिदृष्य बेहद डरावना है और इसमें वैचारिक स्पष्टता की कमी लगातार बढ़ती जा रही है पूरी राजनीति सिर्फ चुनाव के इर्दगिर्द केंद्रित हो गई है और इसमें सामाजिक कल्याण की भावना कमोवेश तिरोहित हो गई है। अंत में फादर को श्रद्धांजलि देते हुए पवित्र बाइबिल की कुछ पंक्तियां, "मैं तुमसे कहता हूँ - मांगो और दिया जाएगा ; ढूंढो और तुम्हें मिल जाएगा ; खटखटाओं और तुम्हारे लिए खोला जाएगा। क्योंकि जो मांगता है, उसे दिया जाता है या जो ढूंढता है उसे मिल जाता है और जो खटखटाता है उसके लिए खोला जाता है।" इसलिए हमें अब उठ खड़ा होना होगा। साथ ही अपने अंदर के डर पर काबू पाना होगा। हमारी कोशिश होनी चाहिए फादर का महाप्रयाण व्यर्थ न जाए।

भूरी मिली भी और नहीं भी

सरस्वती रमेश

भूरी नदी किनारे चरने जाती और शाम होते-होते वापस अपने खूंटे पर आ खड़ी होती। दीदी उसे बहुत प्यार करती। कहती, 'ये गाय नहीं है, मेरी संतान है। जब से घर में आई है अनाज की कोठी कभी खाली नहीं हुई।' बच्चे भी दिनभर भूरी से लिपटकर खेलते। वे उसे चाहे जितना परेशान करें, मगर भूरी कभी उनको झौकारती नहीं थी। वाकई भूरी बड़ी सीधी-सादी थी। मैं तो कभी-कभार ही दीदी के घर जाती। मगर मुझे भी खूब पहचानती थी वह। उस दिन भी मैं दीदी के घर ही थी। रोज की तरह सुबह-सुबह उसने भूरी को चरने के लिए ढील दी और अपने काम में लग गई। शाम होने को आई, अंधेरा हो चला। मगर यह क्या। भूरी न लौटी।

दीदी के साथ जीजा भी बेचैन हो गए। दोनों टॉर्च लेकर नदी की ओर चल पड़े। कछार के सननटे में काफी देर तक खोजते रहे। मगर भूरी न मिली। निराश मन से दोनों लौट आए। सुबह होते ही फिर से भूरी की तलाश शुरू हो गई। दीदी ने आस-पास के टोले-मोहल्ले में उसे तलाशना शुरू कर दिया। कहती, 'जरूर कोई भूरी को हांक ले गया है और अपने खूंटे से बांध दिया है। नहीं तो वह कहीं भी जाए, लौट आती थी।' दीदी को भूरी से इतना लगाव था कि कई दिन तक वह ठीक से खाना न खा सकी। दुधारी गाय के खोने का सबको दुख था। घर के सारे लोग दीदी को भूरी के मिलने की दिलासा देते। मगर मन ही मन उन्हें भी भूरी के दोबारा मिलने पर संदेह था। दीदी थी कि भूरी को भूल ही नहीं पा रही थी। भोले नाथ को मनौती भी मान दी। आखिर जीजा ने किसी तरह उसे समझाया-बुझाया। अब तो बस भूरी के बछड़े को देखकर ही संतोष करना था। बछड़ा भी रोज शाम नदी की ओर ताकने लगता। उसे भी अपनी मां के लौटने की प्रतीक्षा थी। मां को न देख चिल्लाता तो दीदी रो पड़ती।करीब दो महीने बाद मैं एक रिश्तेदार के घर शादी में गई। उनका गांव दीदी के गांव से कोई दस किलोमीटर दूर था। गांव के पास ही नदी बह रही थी। मेरा मन हुआ जरा नदी तक घूम आएं और मैं कुछ फोटो-शोटो लेने नदी की ओर चल पड़ी। नदी के तट के पास ही छप्पर वाला एक घर था। घर के सामने एक गाय बंधी थी। मुझे वह बिल्कुल भूरी जैसी लगी। मैंने उसकी फोटो ले ली और उसे दीदी के पास भेज दिया। फोटो देख दीदी दूसरे ही दिन अपने बेटे के साथ वहां पहुंच गई। आते ही मेरे साथ उस छप्पर वाले घर की तरफ चल पड़ी। जैसे ही वह उसके पास पहुंची, गाय रंभाने लगी। अब तो मुझे भी पक्का हो गया कि वह भूरी ही है। दीदी उसके गले लग रो पड़ी। जैसे बरसों बाद दो बहने मेले में मिलते ही रो पड़ी हों। तब तक छप्पर से एक आदमी भी निकल कर बाहर आ गया।

संज्ञेय अपराध में ईंदर्ज कराने का कानूनी रास्ता

राजेश चौधरी/लीगल फोरम

संज्ञेय अपराध में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करना पुलिस की यूटी है। यह अनिवार्य है। कई बार ऐसा भी होता है कि शिकायत देने के बावजूद पुलिस ईंनहीं करती। अगर पुलिस संज्ञेय अपराध में केस दर्ज करने में आनाकानी करे तो क्या हमारे पास कोई कानूनी रास्ता बचता है, यह पता होना चाहिए।

संज्ञेय अपराध गंभीर क्राइम होते है, जैसे मर्डर, रेप, लूट, डकैती, हत्या की कोशिश, सेक्सुअल अपराध या ऐसा कोई भी क्राइम जिसमें आमतौर पर 3 साल या उससे ज्यादा की सजा मिलती हो। कई बार संज्ञेय अपराध होने के बाद जब शिकायती थाने जाते है तो पुलिस उनकी शिकायत पर मुहर लगाकर दे देती है लेकिन केस की ईं दर्ज नहीं होती। कानूनी जानकार करण सिंह बताते है कि अगर हम बाजार जा रहे है और किसी ने मोबाइल लूट लिया या फिर ऑफिस से बाहर निकले और देखा कि गाड़ी गायब है। कई बार घर के बाहर से भी गाड़ी चोरी हो जाती है। इन मामलों में पुलिस की ड्यूटी है कि केस दर्ज करके छानबीन करे। कई बार पुलिस केस दर्ज करने में आनाकानी करती है वैसे सीआरपीसी के तहत और सुप्रीम कोर्ट के ललिता कुमारी केस में दिए फैसले के तहत केस दर्ज करना जरूरी है। फिर भी केस दर्ज न किया जाए तो शिकायती अपने इलाके के मैजिस्ट्रेट की कोर्ट में गुहार लगा सकता है।

हाई कोर्ट के वकील एमएस खान बताते है कि अगर अपराध संज्ञेय है तो पुलिस को ईंदर्ज करनी पड़ेगी। सीआरपीसी की धारा-154 में प्रावधान है कि संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर पुलिस को केस दर्ज करना होगा। शिकायत के बावजूद पुलिस केस दर्ज नहीं करती है तो शिकायती 15 दिनों के भीतर अपने इलाके के डीसीपी या जिले के एसपी से शिकायत कर सकता है। शिकायती जब पहली बार थाने जाता है तो उसे शिकायत की दो कॉपी ले जानी चाहिए और एक कॉपी पर मुहर लगवाकर रिसिविंग लेनी चाहिए। जब थाने में केस दर्ज न हो तो आला अधिकारियों को दी गई शिकायत की भी मुहर लगी कॉपी अपने पास रखनी चाहिए। शिकायती चाहे तो ईमेल के जरिये भी इलाके के डीसीपी से शिकायत कर सकता है। इसके बाद भी अगर केस दर्ज न हो सके तो जिस इलाके में वारदात हुई है, उस इलाके के मैजिस्ट्रेट की कोर्ट में सीआरपीसी की धारा-156 (3) के तहत शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए पुलिस को दी गई शिकायत की कॉपी पेश करनी होती है और पूरी घटना का ब्यौरा अर्जी में देना होता है।

एडवोकेट मनोज शर्मा बताते है कि जिले के हर थाने का इलाका मैजिस्ट्रेट (दिल्ली में मेट्रोपॉलिटन मैजिस्ट्रेट) तय होता है। जिला अदालत में इसकी लिस्ट होती है। वहां के वकील की सहायता से मैजिस्ट्रेट की कोर्ट में अर्जी दाखिल कर सकते हैं। सुनवाई के दौरान अगर शिकायती की दलील से कोर्ट संतुष्ट हो जाए तो इलाके के एसएचओ को नोटिस जारी किया जाता है और एसएचओ को केस दर्ज कर छानबीन करने का आदेश दिया जाता है। कई बार मैजिस्ट्रेट इलाके के एसएचओ से स्टेटस रिपोर्ट मांगते हैं और कोर्ट संतुष्ट हो तो केस दर्ज करने का आदेश दिया जाता है। अगर मैजिस्ट्रेट की कोर्ट से शिकायती की अर्जी खारिज हो जाए तो उसे अधिकार है और सेशन कोर्ट में मैजिस्ट्रेट की कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकते हैं। वहां भी अर्जी खारिज हो जाए तो हाईकोर्ट जा सकते हैं। इसका मतलब है कि पुलिस संज्ञेय मामले में केस दर्ज न करे तो हम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।